केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपालसंभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाषकमांक 2550728(D.C.)
2551678 (स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755-2553126
ई-मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो /

दिनांक 18.09.2015

प्रिय शिक्षक गण,

क्षमा प्रार्थी होने के पश्चात हमें उसका प्रचार भी करना है। प्रत्येक को यह बताना ही पर्याप्त नहीं है कि हम बेहतर होना चाहते हैं, अपितु यह भी प्रकट करना आवश्यक है कि स्वयं को बेहतर बनाने के लिए वास्तव में हमने क्या योजना बनाई है। दूसरे शब्दों में जब 2014–15 के असंतोषजनक परीक्षा परिणामों के लिए हम खेद व्यक्त कर चुके हैं तो अब यह बताएँ कि हम परिणामों को उन्नत करने के लिए क्या कर रहे हैं। मैं हमेशा अपने व्यवहार को बदलने की तुलना में हमारे व्यवहार के प्रति दूसरों की धारणा बदलने को कठिन मानता हूँ। वस्तुतः मै समझता हूँ कि शतप्रतिशत श्रेय प्राप्त करने के लिए हमें शत प्रतिशत बेहतर परिणाम प्राप्त करना चाहिए।

इसका तार्किक कारण संज्ञानात्मक विसंगति है । संक्षिप्त रूप में दोहराया जाए, तो हमारा लोगों को देखने का ढंग हमारी पिछली मौजूद सोच के अनुरूप होता है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक। यदि लोग हमारे बारे में यह महसूस करते है कि हम घमंडी हैं, तो हमारे सभी प्रयासों का आंकलन इस धारणा के माध्यम से ही होगा। हम यदि कुछ अद्भुत और पवित्र महसूस कर रहे है, मै इसे नियम के उपवाद के रूप में ही मानूँगा हम अक्खड ही माने जायेगें। इस परिक्षेत्र के भीतर हमारा किसी भी प्रकार का सुधार देख पाना असंभव है, चाहे हम कितना भी प्रयत्न कर लें।

इन विषमताओं में उल्लेखनीय सुधार तभी संभव है, जब लोगों को यह बताया जाए कि हम बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे प्रयास अचानक उनके मानस पटल पर उभर आएंगे और उनकी पूर्व धारणाओं के बिखराव का प्रारंभ होने लगेगा। हमारी प्रतिकूलताओं में पुनःसुधार होने लगेगा यदि हम सबको यह बताएं कि हम कितने कठिन प्रयास कर रहे है और पीटीए बैठक या दूसरे अन्य अवसरों में अपनी उपस्थिति में यह संदेश दोहराएँ । हमारी विषमाओं में और सुधार तब होता है जब हम अपने को उत्कृष्ट बनाने के लिए सभी के सुझाावों के बारे में पूछते हैं । हमारे प्रति लोगों की रूचि भी तब बढ़ने लगती है और उनका ध्यान हमारी तरफ केन्द्रित होने लग जाता है जब वह यह देखते हैं कि हम उनके सुझावों का प्रयोग कर स्वयं में सुधार लाने का प्रयास कर रहे हैं।

यह भाव धीरे–धीरे अंतर्मन में गहरे उतरता जाता है और लोग हमारे अंदर परिवर्तन की नयी संभावनाओं को स्वीकार करना प्रारम्भ कर देते हैं। यह जंगल में एक पेड़ के गिरने जैसा है । यदि उसकी आवाज कोई नहीं सुन पाता तो क्या यह माना जायेगा कि वास्तव में आवाज हुई ? ग्लानि और उसकी अभिव्यक्ति, कि हम परिवर्तित होने की कोशिश कर रहे हैं, यह हमारा सभी लोगों को पेड़ की ओर मोड़ने का तरीका होता है। आवश्यकता है, लोगों को यह बताने कि **मैं यहाँ हूँ,** ताकि आप उन्हें अपनी चिंता करने का कारण दे सकें। हमें इसी मूलाधार का प्रयोग करना चाहिए जब हम एक गंभीर व्यक्तिगत पहल कर रहे हों। हमें अपने आपको नए रूप में व्यक्त करना है, जिसके लिए निम्न उपाय है–

1. हर दिन ऐसा अनुभव करें जैसे कि प्रेस कान्फ्रेन्स हो रही है, जहाँ हमारा निरन्तर आकलन हो रहा है। इन्तजार किया जा रहा कि कब हम ठोकर खाएं। वह भावना जब हम यह जानते हैं कि लोग हमारी

गतिविधियों को करीब से देख रहे हैं हमारी जागरूकता को बढायेगी और शैक्षणिक सजगता का स्मरण कराती रहेगी।

2. अपने व्यवहार द्वारा प्रतिदिन लोगो को याद दिलाये कि आप कठिन परिश्रम कर रहे हैं। जिस दिन आप यह करने में चूक जाएं यह मान लें कि हम एक–दो कदम पीछे खिसक गए हैं। हमारे दिए वचन की प्रतिबद्धता में कमी आ रही है।
3. प्रक्रिया के विषय में हफ्तों ओर महीनों के सदर्भ में सोचें, न कि दिन प्रतिदिन के रूप में। श्रेष्ठ अध्यापक जिन्हे 13 जुलाई 2015 को प्रचार्य सम्मेलन में सम्मानित किया गया अपने प्रतिदिन के कार्य के साथ दीर्धकालीन लक्ष्य पर भी अपना ध्यान केन्द्रित रखते हैं। हमें भी वही करना है रोजाना के कियाकलापों के साथ –साथ मुख्य लक्ष्य की प्राप्ति की ओर ध्यान बनाये रखना है ऐसा करने से वह समस्या नहीं बन पायेगी।
4. MRAP एवं Error Analysis स्वयं करें । केवल यही उपाय आपकी असफलता का विलोपन कर आपके आत्मविश्वास को इतना सुदृढ कर सकते हैं कि भविष्य में काई विद्यार्थी फेल न हो।

यदि हम सर्वश्रेष्ठ शिक्षक की भांति ऐसा करेंगे तो सफलता रूपी फल स्वयं अपने हाथों से ग्रहण करेगे और इस वर्ष कक्षा 10 एवं 12वी में एक भी छात्र/छात्रा असफल नही होगा। मेरी इच्छा है कि सभी पीजीटी एवं टीजीटी 100 प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण परीक्षाफल लायें । उपलब्धि संबंधी मानदडों को पूर्ण करते हुए प्रशस्ति पत्र, 2016 परीक्षा फल घोष्ति होने के उपरान्त, करतल ध्वनि के मध्य स्वयं प्राप्त करें।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 29.08.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है।

प्राचार्य के माध्यम से पावती भेजें।

डा.(श्रीमती) बी.कौर
सहायक आयुक्त

पीजीटी/टीजीटी
समस्त केन्द्रीय विद्यालय
भोपाल संभाग